an>

Title: Regarding Ravghat project of Bhilai Steel Plant.

कुमारी सरोज पांडेय (दुर्ग) : सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं सदन का ध्यान आपके माध्यम से भिलाई इस्पात संयंत्र, जो छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा सार्वजनिक उपक्रम है और जहां पर 40 हजार कर्मचारी काम करते हैं और आसपास की करीब 5 लाख आबादी इस पर निर्भर है, उसकी ओर आकर्षित करते हुए निवेदन करना चाहती हूं कि राव घाट परियोजना, जो एन.डी.ए. की सरकार में बड़ी तेजी के साथ चल रही थी, लेकिन अब यू.पी.ए. सरकार के समय में यह योजना केवल भौतिक स्तर पर, कागजों में सिमट गई है। आज इसकी बहुत आवश्यकता है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में जो भिलाई इस्पात संयंत्र है, उसके लौह अयस्क की जो खदानें हैं, वे समाप्ति की ओर हैं। अगर भविष्य में यह योजना पूरी नहीं हो पाई, तो उस क्षेत्र का विकास रुक जाएगा। चूंकि 12 वर्षों से यह योजना कागजों पर है। इसलिए मेरा निवेदन है कि इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।